कारण हड़तालें हुई और कितने से तालाबन्दियां;

(ख) इन हड़तालों और तालाबन्दियों के कारण कितने व्यक्ति बेकार रहे;

(ग) चालू वर्ष में अब तक कितनी हड़तालें और तालाबन्दियां हो चुकी हैं; और

(घ) उनके कारण काम के कितने दिनों की हानि हुई है ?

श्रम उपमंत्री (श्री आबिद अली) : (क) ६३१ हड़तालें और ७५ तालाबन्दियां।

(ख) हड़तालों से ५,३८,१२१ और तालाबंदियों से ६५,०५६ ।

(ग) जनवरी से सितम्बर १९५७ तक १०५५ हड़तालें और ६१ तालाबंदियां ।

(घ) हड़तालों से २६,३५,८६० और तालाबंदियों से १६,७३,२८६ ।

खानों तथा कारखानों में हड़तालें व तालाबन्दियां

११५० **श्री वि० प्र० सिंह** : क्या श्रम और रोजगार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि कितनी खानों तथा कारखानों में जनवरी १९५६ से कई बार हड़तालें व तालाबन्दियां हो चुकी हैं ?

श्रम उपमंत्री (श्री आबिद अली): सूचना प्राप्त नहीं है तथा उसको प्राप्त करने में जो प्रयोजन सिद्ध होगा उससे अधिक उसके एकत्र करने में समय और मेहनत लगेगी ।

श्रम अपीलीय न्यायाधिकरण पंचाट

११५१. **श्री वि० प्र० सिंह** : क्या श्रम और रोजगार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) श्रम अपीलीय न्यायाधिकरण ने ३१ अगस्त, १९५६ तक १६५६ अपीलों और २७३४ याचिकाओं पर जो निर्णय दिये हैं उनमें से कितने मालिकों के पक्ष में हुये हैं और कितने मजदूरों के पक्ष में; और

(ख) इन निर्णयों का मजदूरों पर क्या असर पड़ा है ?

श्रम उपमंत्री (श्री आबिद अली): (क) और (ख) सूचना प्राप्त नहीं है तथा उसको प्राप्त करने में जो प्रयोजन सिद्ध होगा उससे अधिक उसके एकत्र करने में समय और मेहनत लगेगी ।

श्रम अपीलीय न्यायाधिकरण

११५२ **श्री वि० प्र० सिंह** : क्या श्रम और रोजगार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि श्रम अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष १ जनवरी, १९५७ को शेष रही १७५ अपीलों तथा ४५९ याचिकाओं में से अब तक कितने का फैसला हो चुका है ?

श्रम उपमंत्री (श्री आबिद अली): श्रम अपीलीय न्यायाधिकरण ने जनवरी १९५७ से अक्तूबर के आखिर तक १७५ अपीलों और ४५९ याचिकाओं में से १२० अपीलों और २८७ याचिकाओं का फैसला किया ।

महिला कल्याण केन्द्र

११५३. **श्री हेडा** : क्या श्रम और रोजगार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :

(क) कोयला खदान क्षेत्रों के महिला कल्याण केन्द्रों में महिलाओं को विभिन्न शिल्पों का जो प्रशिक्षण दिया जाता है क्या उस से वे कोई अर्थोपार्जन करती हैं;

(ख) जो स्त्रियां इन केन्द्रों में साक्षर हो जाती हैं बाद में उनका ज्ञान बढ़ाने के लिये क्या व्यवस्था की गई है; और

(ग) इन कल्याण केन्द्रों में कितने पुस्तकालय हैं और उनमें किन किन भाषाओं की कितनी पुस्तकें हैं ?

श्रम उपमंत्री (श्री आबिद अली) : (क) जी हां ।